Section : B (व्याकरण)

1 शब्द, पद और पदबंध

शब्द

वर्णों के मेल से बना स्वतंत्र सार्थक ध्वनि-समूह '**शब्द**' कहलाता है।

- शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं।
- शब्द सार्थक ध्वनि-समूह (अक्षरों का समूह) होता है।

आज, पानी, ताकत अक्षर-समूह भी हैं और सार्थक शब्द भी; क्योंकि इनसे अर्थ की अभिव्यक्ति हो रही है। इसके विपरीत 'जआ', 'नीपा', 'तताक' आदि अक्षर-समूह तो हैं, पर शब्द नहीं क्योंकि उनसे कोई अर्थ प्रकट नहीं होता। अत: हम इन्हें शब्द नहीं कह सकते क्योंकि अर्थ ही शब्द का प्रधान लक्षण है।

- शब्द स्वतंत्र रूप में प्रयुक्त होते हैं।

वर्णों का वही समूह शब्द कहलाता है, जिसका प्रयोग स्वतंत्र रूप से होता है। जैसे—लड़का, लड़की, कंप्यूटर, महासागर आदि।

शब्द का महत्व—'शब्द' को भाषायी अभिव्यक्ति का मूल आधार कहा गया है। शब्दों के द्वारा ही हम अपने आस-पास के वातावरण, वस्तुओं, प्राणियों, व्यक्तियों, क्रियाओं, भावनाओं तथा विचारों को व्यक्त करते हैं। उपयुक्त शब्द के अभाव में हम अपने विचारों को व्यक्त करने में असफल रहते हैं। इस प्रकार शब्द का भाषा में अत्यधिक महत्व है। शब्द भाषा का वैभव है, संपदा है।

शब्द-भंडार—किसी भाषा में प्रयोग हो रहे या हो सकने वाले सभी शब्दों के समूह को उस भाषा का **शब्द-भंडार** कहते हैं। जिस भाषा का शब्द-भंडार जितना अधिक विशाल होता है, वह भाषा उतनी ही समृद्ध मानी जाती है। हिंदी एक सजीव भाषा है, जो अपने प्रवाह-क्रम में अनेक स्रोतों से शब्दों को ग्रहण करती और उन्हें आत्मसात करती आई है।

प्रत्येक भाषा का शब्द-भंडार घटता-बढ़ता रहता है। समय के साथ-साथ नए शब्दों का समावेश होता रहता है। जैसे—इंटरनेट, वेबसाइट, चिप आदि नए शब्द आजकल जुड़ते जा रहे हैं।

पद

प्रत्येक स्वतंत्र सार्थक वर्ण-समूह **शब्द** कहलाता है, किंतु वाक्य में प्रयुक्त होने पर वह स्वतंत्र नहीं रहता। व्याकरण के नियमों तथा कारकीय विभक्तियों के योग से उसमें परिवर्तन आ जाता है। वाक्य में प्रयुक्त शब्द '**पद**' कहलाता है।

व्याकरण के नियमों से बँधे वाक्य में प्रयुक्त शब्द को 'पद' कहते हैं।

उदाहरण :

स्वतंत्र शब्द	**पद**
रवि, मोबाइल, खरीदा	रवि ने मोबाइल खरीदा।
दिल्ली हाट, दक्षिणी, दिल्ली	दिल्ली हाट दक्षिणी दिल्ली में स्थित है।

यहाँ बाईं ओर स्वतंत्र शब्द दिए गए हैं, जो वाक्य में प्रयुक्त होने पर पद (दाईं ओर) बन गए हैं।

पदबंध

आप जानते हैं कि प्रत्येक स्वतंत्र, सार्थक वर्ण-समूह **शब्द** कहलाता है, किंतु जब वह विभक्तियों सहित वाक्य में प्रयुक्त होता है, तो पद बन जाता है। भावों और विचारों को प्रकट करने वाले व्यवस्थित पद-समूह को वाक्य कहते हैं।

वाक्य में प्रयुक्त शब्दों को 'पद' इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये वाक्य में प्रयुक्त होकर कुछ न कुछ व्याकरणिक प्रकार्य करने लगते हैं। संज्ञा पद के रूप में ये कर्ता या कर्म का कार्य करते हैं, विशेषण पद के रूप में ये संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। जैसे—

लड़का	बाँसुरी	बजाता है।
कर्ता	कर्म	क्रिया

इस वाक्य में 'लड़का' (संज्ञा) कर्ता का, 'बाँसुरी' (संज्ञा) कर्म का और 'बजाता है'—क्रिया का काम कर रहे हैं।

अब उपर्युक्त वाक्य को नए ढंग से लिखते हैं। वाक्यों के मोटे छपे शब्दों पर विशेष ध्यान दीजिए—

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(क) **वाक्य** (ख) **नवीन वाक्य**

लड़का बाँसुरी जाता है। (i) **सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

(ii) **नटखट सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

(iii) **ईमानदार नटखट सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

(iv) **मेरे पड़ोस में रहने वाला ईमानदार सुंदर लड़का** बाँसुरी बजाता है।
कर्ता

इन चारों वाक्यों में 'सुंदर लड़का', 'नटखट सुंदर लड़का', 'ईमानदार नटखट सुंदर लड़का', 'मेरे पड़ोस में रहने वाला ईमानदार नटखट सुंदर लड़का', अनेक पद कर्ता का प्रकार्य कर रहे हैं जो (क) वाक्य में लड़का (एक पद) कर रहा था। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वाक्य में कुछ न कुछ प्रकार्य करने के कारण एक शब्द को पद कहते हैं। यदि उसी प्रकार्य को एक से अधिक पद मिलकर करते हैं, तो पदों के ऐसे बंध या समूह को 'पदबंध' कहा जाता है। दूसरे शब्दों 'में', **कई पदों के योग से बने हुए ऐसे वाक्यांश जो एक ही पद का काम करें, उन्हें 'पदबंध' कहते हैं।**

> जब एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का कार्य करते हैं, तब उस बँधी हुई इकाई को 'पदबंध' कहते हैं।

पदबंध की विशेषताएँ

डॉ. हरदेव बाहरी ने 'पदबंध' की परिभाषा इस प्रकार दी है—'वाक्य के उस भाग को, जिसमें एक से अधिक पद परस्पर संबद्ध होकर अर्थ तो देते हैं, किंतु पूरा अर्थ नहीं देते—पदबंध या वाक्यांश कहते हैं।' इस प्रकार रचना की दृष्टि से पदबंध में तीन बातें होती हैं—एक तो यह कि इसमें एक से अधिक पद होते हैं। दूसरे, ये पद इस तरह संबद्ध होते हैं कि उनसे एक इकाई बन जाती है। तीसरे, पदबंध किसी वाक्य का अंश होता है।

निष्कर्ष रूप में पदबंध की निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

(1) पदबंध एक से अधिक पदों का होता है।

(2) पदबंध के सभी पद परस्पर संबद्ध होकर एक इकाई के रूप में काम करते हैं।

(3) पद के स्थान पर पदबंधों का प्रयोग हो सकता है।

(4) चूँकि पदबंध पद से अधिक बड़ा होता है, इसलिए इसके अर्थ में पद से अधिक स्पष्टता और निश्चितता होती है।

(5) पदबंधों से बने वाक्य अपेक्षाकृत छोटे होते हैं और साथ ही अधिक अर्थ प्रकट करने की क्षमता रखते हैं।

(6) पदबंध संपूर्ण वाक्य नहीं, वाक्यांश मात्र होता है।

पदबंध एक रचना के रूप में

जटिल भावों की अभिव्यक्ति के लिए पदों के स्थान पर पदबंध का प्रयोग होता है। पदबंध में भी एक **शीर्ष पद** होता है। वह अन्य पदों का आधार या केंद्र होता है। शेष पद उस पर आश्रित होते हैं और **आश्रित पद** कहलाते हैं। जैसे—'पवन-पुत्र हनुमान' में 'हनुमान' शीर्ष पद है। 'पवन-पुत्र', 'हनुमान' पर आश्रित है।

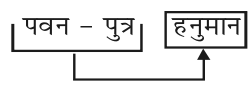

एक अन्य उदाहरण देखिए—

'दीवार पर **एक बहुत सुंदर तसवीर** लगी है।'

इस पदबंध में शीर्ष पद है—**तसवीर**। शेष पद उस पर आश्रित हैं। इस प्रकार 'एक बहुत सुंदर' में भी सुंदर शीर्ष पद है। 'एक बहुत' उस पर आश्रित है।

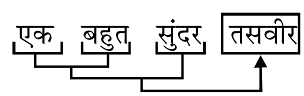

शीर्ष पद की पहचान

शीर्ष पद की पहचान के लिए ज़रूरी है कि आप पहले **पदबंध की व्याकरणिक भूमिका** को पहचानें। यह जानने का प्रयास करें कि वह पदबंध संज्ञा का काम कर रहा है या विशेषण, क्रिया, सर्वनाम अथवा क्रियाविशेषण का। अब उस पद की जगह न्यूनतम एक पद को रखकर देखें कि कौन-सा पद वाक्य के अर्थ की संगति बनाए रखता है। वही उसका शीर्ष पद है। जैसे—

'पवन-पुत्र हनुमान ने लंका में आग लगा दी।'

यहाँ 'हनुमान ने लंका में आग लगा दी' भी संगत है। इसलिए 'हनुमान' 'पवन-पुत्र हनुमान' पदबंध का शीर्ष पद है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

पदबंध और उपवाक्य में अंतर—उपवाक्य (Clause) भी पदबंध (Phrase) की तरह पदों का समूह है, लेकिन इससे केवल आंशिक भाव प्रकट होता है, पूरा नहीं। पदबंध में क्रिया नहीं होती, उपवाक्य में क्रिया रहती है। जैसे—'ज्यों ही वह आया, त्यों ही मैं चला गया।' यहाँ 'ज्यों ही वह आया' एक उपवाक्य है, जिससे पूर्ण अर्थ की प्रतीति नहीं होती।

पदबंध के भेद

पदबंधों का वर्गीकरण पदबंध में आए शीर्ष-पद के आधार पर किया जाता है। यदि शीर्ष पद संज्ञा शब्द है तो संज्ञा पदबंध, विशेषण है तो विशेषण पदबंध, क्रिया है तो क्रिया पदबंध, सर्वनाम है तो सर्वनाम पदबंध और क्रियाविशेषण है, तो क्रियाविशेषण पदबंध होता है। इस प्रकार पदबंध के मुख्यत: पाँच भेद हैं—

(1) संज्ञा पदबंध, (2) सर्वनाम पदबंध, (3) विशेषण पदबंध, (4) क्रिया पदबंध और (5) क्रियाविशेषण पदबंध।

दुखी व्यक्ति के लिए **सबके** मन में **सहानुभूति** होती है।

यहाँ 'दुखी' विशेषण पद है। 'सबके' सर्वनाम पद है और 'सहानुभूति' शब्द संज्ञा पद है।

(1) संज्ञा पदबंध

वाक्य में संज्ञा का काम करने वाला पद-समूह 'संज्ञा पदबंध' कहलाता है। संज्ञा पदबंध में शीर्ष पद संज्ञा होता है तथा शेष पद उस पर आश्रित होते हैं। जैसे—'साल भर परिश्रम करने वाला छात्र।' पदबंध में **छात्र** शीर्ष पद (संज्ञा) है तथा **साल**, **भर**, **परिश्रम**, **करने**, **वाला** आश्रित पद हैं। पूरा पद-समूह **साल भर परिश्रम करने वाला छात्र** अकेले संज्ञा पद **छात्र** का स्थान ले सकता है और वही कार्य करता है, जो अकेला संज्ञा पद करता है।

(क) **छात्र** उत्तीर्ण हो गया। (ख) **परिश्रम करने वाला छात्र** उत्तीर्ण हो गया। (ग) **साल भर परिश्रम करने वाला छात्र** उत्तीर्ण हो गया।

उदाहरण—

(i) **अध्यापक का कहना न मानने वाले छात्र** कभी सफल नहीं होते।

(ii) **सामने के मकान में रहने वाला शौर्य** अत्यंत कुशल वीणावादक है।

(iii) **मेज़ पर रखी हुई लाल ज़िल्द वाली पुस्तक** मेरे पिता जी की है।

संज्ञा पदबंधों की कुछ विशेषताएँ—

(1) संज्ञा पदबंध में प्राय: विशेषण संज्ञा के पूर्व लगते हैं; जैसे—मोटा आदमी, सुगंधित पवन, धनी-मानी व्यक्ति, हरे-भरे खेत।

(2) संज्ञा पदबंधों में सभी प्रकार के विशेषण आ सकते हैं।

(3) संज्ञा पदबंध का प्रयोग वाक्य में कर्ता, कर्म तथा पूरक के स्थान पर होता है।

(2) सर्वनाम पदबंध

सर्वनाम का काम करने वाला पदसमूह 'सर्वनाम पदबंध' कहलाता है। इसमें शीर्ष पद सर्वनाम शब्द होता है।

उदाहरण—

(1) सदा हँसते रहने वाले तुम आज सुस्त क्यों हो?

(2) बाहर से आए छात्रों में कुछ मांसाहारी हैं।

(3) शेर की तरह दहाड़ने वाला वह काँप क्यों रहा है?

(3) विशेषण पदबंध

किसी संज्ञा की विशेषता बताने वाला पद-समूह 'विशेषण पदबंध' कहलाता है। यदि संज्ञा पदबंध में से संज्ञा को छोड़ दें, तो शेष बचा पदबंध 'विशेषण पदबंध' होता है क्योंकि संज्ञा पदबंध की रचना विशेषणों के योग से होती है। विशेषण पदबंध में एक विशेषण शीर्ष पद में स्थित होता है तथा शेष पद प्रविशेषण के रूप में प्रयुक्त होते हैं। जैसे—

'माधुरी बहुत अच्छी नृत्यांगना है।'—यहाँ 'बहुत अच्छी' विशेषण पदबंध है क्योंकि यह 'नृत्यांगना' की विशेषता प्रकट कर रहा है। 'अच्छी' शीर्ष पद है तथा 'बहुत' प्रविशेषण, जो 'अच्छी' की विशेषता बता रहा है।

उदाहरण—

(i) **प्रतिदिन व्यायाम और योग करने वाले** लोग बीमार कम पड़ते हैं।

(ii) **नियमित रूप से अध्ययन करने वाले** छात्र अच्छे अंक लाते हैं।

(iii) **लकड़ी से बनी यह** अलमारी बहुत सुंदर है।

विशेषण पदबंधों की कुछ विशेषताएँ—

(1) विशेषण पदबंध प्राय: संज्ञा पदबंध के अंग बनकर ही वाक्यों में प्रयुक्त होते हैं अर्थात संज्ञा पदबंध में से संज्ञा को हटाने के बाद जो रचना शेष बच जाती है, वह 'विशेषण पदबंध' होती है।

(2) कभी-कभी कुछ विशेषण पदबंध बिना संज्ञा के भी प्रयुक्त हो जाते हैं। जैसे—
मैं यहाँ झूठ बोलने वालों से नफ़रत करता हूँ।
झूठ बोलने वालों से—विशेषण पदबंध।

(4) क्रिया पदबंध

जब एक से अधिक क्रिया पद मिलकर क्रिया का काम करने वाली एक भाषिक इकाई का निर्माण करते हैं, तो वह भाषिक इकाई 'क्रिया पदबंध' कहलाती है। जैसे—'मुझे दिखाई पड़ रहा है।' यहाँ **दिखाई पड़ रहा है** पदबंध क्रिया पद का कार्य कर रहा है। अत: यह क्रिया पदबंध है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

उदाहरण—

(i) कविता **पढ़ते-पढ़ते सो गई।**

(ii) विद्यालय के बच्चे इस समय राष्ट्रगान **गा रहे हैं।**

(iii) पिता जी अब तक दफ्तर से **आ गए होंगे।**

(i) मैं तो **तेज़ भागते-भागते** बहुत थक गया था।

(ii) अनामिका **सप्ताह के अंत तक** आ जाएगी।

(iii) बच्चा **घुटनों के बल चलता हुआ** दादी के पास पहुँच गया।

हिंदी के क्रिया पदबंधों की कुछ विशेषताएँ—

(1) चूँकि हिंदी में क्रिया का स्थान वाक्य के अंत में होता है, इसलिए क्रिया पदबंध का स्थान भी वाक्य के अंत में होता है।

(2) क्रिया पदबंध सामान्य रूप से मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रियाओं से मिलकर बनते हैं।

(5) क्रियाविशेषण पदबंध

क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'क्रियाविशेषण' कहते हैं। **क्रियाविशेषण की जगह प्रयुक्त होने वाले एकाधिक पदों का समूह 'क्रियाविशेषण पदबंध' कहलाता है।** जैसे—'हाथी **बहुत धीरे-धीरे** चलता है।' यहाँ '**बहुत धीरे-धीरे**' क्रियाविशेषण पदबंध है; क्योंकि यह 'चलना' क्रिया की विशेषता बतला रहा है। इसमें 'धीरे-धीरे' क्रियाविशेषण शीर्ष पद है तथा 'बहुत' आश्रित पद।

क्रियाविशेषण पदबंध की कुछ विशेषताएँ—

(1) हिंदी में क्रियाविशेषण पदबंधों की रचना प्रायः संज्ञा तथा परसर्ग/अव्यय के संयोग से होती है। जैसे—

(i) वह **ऊपर वाले कमरे में** रहेगा।

(ii) मुन्ना **नीचे वाले कमरे में** होगा।

(iii) कमरे में **इधर से उधर तक** सामान बिखरा पड़ा है।

(2) कुछ कृदंत रूपों से भी क्रियाविशेषण पदबंध बनते हैं। जैसे—मोहन **दौड़कर यहाँ** पहुँचा।

(3) अधिकतर क्रियाविशेषण पदबंधों का प्रयोग वाक्य में वैकल्पिक होता है। यदि इनको वाक्य से हटा भी दिया जाए, तो भी वाक्य की मूल संरचना प्रभावित नहीं होती। जैसे—मीना (**धीरे-धीरे सुबकते हुए**) कहने लगी।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. रेखांकित पदबंध के नाम का सही विकल्प चुनिए—

1. <u>सामने की दुकान पर चाय पीने वाला</u> लड़का अपने घर चला गया।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

2. मुझे <u>सुनाई पड़ रहा है</u>।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

3. <u>मित्र-मंडली के साथ</u> राम घर पर बैठा है।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** संज्ञा पदबंध

4. <u>बाहर से आए मनुष्यों में कुछ</u> शरारती तत्व भी हैं।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

5. <u>दूसरों के साथ मीठा बोलने वाले</u> सुखी रहते हैं।
(क) विशेषण पदबंध **(ख)** संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध **(घ)** क्रियाविशेषण पदबंध

6. दादा जी प्रायः बाग में <u>टहलने जाया करते थे</u>।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

7. <u>नीली कमीज़ वाला बालक</u> खेल रहा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

8. <u>उस घर के कोने में बैठा हुआ आदमी</u> अपराधी है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

9. वह गाड़ी <u>चली जा रही है</u>।
(क) क्रिया पदबंध **(ख)** सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** विशेषण पदबंध

10. <u>लखनऊ जाने वाली</u> गाड़ी चल दी है।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

11. वृद्ध पुरुष बहुत धीरे-धीरे <u>चल रहा था</u>।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

12. <u>बहुत अधिक बोलने वाली मेरी सहेली</u> कल चली जाएगी।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

13. <u>सामने वाले घर में</u> एक बहुत सुंदर बच्चा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध **(ख)** क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध **(घ)** सर्वनाम पदबंध

14. पुत्र के <u>पास होने की खबर सुनकर</u> पिता खुश हुआ।
(क) संज्ञा पदबंध **(ख)** क्रियाविशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

15. कुछ लोग धीरे-धीरे बातें करते हुए चले जा रहे हैं।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

16. नदी कलकल करती हुई बह रही है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) विशेषण पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

17. स्वागतार्थ आए हुए लोगों से घिरे श्रीकृष्ण ने नगर में प्रवेश किया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

18. सामने के मकान में रहने वाला लड़का आज चला गया।
(क) क्रिया पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

19. मैं ढाई हज़ार साल पुराने कुशीनगर को खोज रहा हूँ।
(क) विशेषण पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

20. हिरण्यवती तब से अब तक उसी तरह प्रवाहित हो रही है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

21. मैं ढाई हज़ार साल पुराने कुशीनगर को खोज रहा हूँ। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

22. बड़ी देर से अपने को सँभालकर बुद्धन बोला।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

उत्तर :	**1.** (क)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (घ)
	5. (क)	**6.** (ख)	**7.** (ग)	**8.** (घ)
	9. (क)	**10.** (ख)	**11.** (ग)	**12.** (ख)
	13. (क)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (घ)
	17. (क)	**18.** (ख)	**19.** (ग)	**20.** (घ)
	21. (ख)	**22.** (क)		

II. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. वर्णों के सुनिश्चित व सार्थक मेल को कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) शब्द (ख) पद
(ग) पदबंध (घ) वाक्य

2. वर्षा ऋतु में धरा हरी-भरी हो जाती है। रेखांकित को कहेंगे– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) शब्द (ख) पद
(ग) पदबंध (घ) क्रिया

3. शब्द जब वाक्य में प्रयोग किया जाता है, तो उसे कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वर्ण (ख) पद-परिचय
(ग) वाक्य (घ) पद

4. जो शब्द समान अर्थ प्रकट करे, उसे कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द
(ग) एकार्थी शब्द (घ) पर्यायवाची शब्द

5. एक या अधिक अक्षरों से बनी हुई स्वतंत्र, सार्थक ध्वनि को कहते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वर्ण (ख) अर्थ
(ग) शब्द (घ) वाक्य

6. वाक्य मिलकर बनता है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) वाक्यांशों से (ख) अक्षरों से
(ग) पदों से (घ) शब्दों से

7. जब तक वाक्य में प्रयुक्त नहीं होते, तब तक स्वतंत्र होते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पद (ख) वाक्यांश
(ग) वर्ण (घ) शब्द

8. जिन शब्दों में प्रयोगानुसार कुछ परिवर्तन होता है, वे कहलाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) निरर्थक (ख) सार्थक
(ग) विकारी (घ) संज्ञा

9. जो शब्द प्रयोगानुसार परिवर्तित नहीं होते, वे कहलाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) अविकारी (घ) विकारी

10. व्याकरण के नियमों में बँधने से शब्द, शब्द न रहकर बन जाते हैं– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अर्थ (ख) वाक्यांश
(ग) पद (घ) पदबंध

11. शब्द का अर्थ है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) ध्वनियों का समूह
(ख) जिसका कोई अर्थ हो
(ग) ध्वनियों की अर्थवान लघु इकाई
(घ) ध्वनियों की सार्थक लघु इकाई जो स्वतंत्र है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

12. पदबंध वाक्य का वह भाग है जिसमें– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) एक या अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम करते हैं।
(ख) एक या एक से अधिक अक्षरों से बने स्वतंत्र शब्दों का प्रयोग होता है।
(ग) एक या अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का काम नहीं करते।
(घ) एक या अधिक पद मिलकर विशिष्ट अर्थ देते हैं।

13. निम्नलिखित में से किस रेखांकित अंश को पद नहीं कह सकते? [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) बालिका
(ख) बालिकाओं ने पुस्तक पढ़ी
(ग) खेलती हुई बालिका
(घ) उस बालिका का नाम नीना है

14. निम्नलिखित में से अविकारी शब्द नहीं होता है– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) क्रियाविशेषण (ख) समुच्चयबोधक
(ग) सर्वनाम (घ) संबंधबोधक

उत्तर : **1.** (क) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (घ) **5.** (ग) **6.** (ग) **7.** (घ) **8.** (ग) **9.** (ग) **10.** (घ) **11.** (घ) **12.** (क) **13.** (ग) **14.** (ग)

III. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए–

1. निम्नलिखित में से संज्ञा-भेद नहीं होता– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) स्थानवाचक (ख) व्यक्तिवाचक
(ग) जातिवाचक (घ) भाववाचक

2. कल हम सब प्रतियोगिता में भाग लेंगे। रेखांकित को कहेंगे– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) सर्वनाम (ख) क्रियाविशेषण
(ग) संज्ञा (घ) विशेषण

3. लड़के फ़ुटबॉल खेल रहे हैं। रेखांकित को कहेंगे– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वर्ण (ख) शब्द
(ग) पद (घ) वाक्य

4. निम्नलिखित में से सर्वनाम का भेद नहीं होता– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) पुरुषवाचक (ख) अनिश्चयवाचक
(ग) कालवाचक (घ) निजवाचक

5. नीना के पिता जी एक प्रसिद्ध व्यापारी हैं। रेखांकित को कहेंगे– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) सर्वनाम (ख) शब्द
(ग) विशेषण (घ) पद

6. विकारी शब्दों में................ [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) वाक्य परिवर्तन नहीं होता
(ख) शब्द परिवर्तन होता है
(ग) अर्थ परिवर्तन होता है
(घ) लिंग, वचन, काल में परिवर्तन होता है।

7. निम्नलिखित में अविकारी है– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) विशेषण (घ) समुच्चयबोधक

8. तालाब में लाल कमल खिल रहा है। रेखांकित को कहेंगे– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) विशेषण (ख) पद
(ग) पदबंध (घ) विकारी शब्द

9. निम्नलिखित में से अविकारी शब्द है– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) लड़का (ख) पुस्तक
(ग) तेज़ (घ) अलमारी

10. एक छोटा लड़का घर जाता है। रेखांकित को कहेंगे– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) पदबंध
(ग) पद (घ) शब्द

11. निम्नलिखित में से क्रियाविशेषण का भेद नहीं होता– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण
(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(घ) पुरुषवाचक क्रियाविशेषण

12. गीता एक महान धार्मिक पुस्तक है। रेखांकित कहाँ किया गया है– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) क्रिया (घ) विशेषण

13. वाक्य में प्रयुक्त शब्द कहलाते हैं–[CBSE 2010 (Term – I)]

(क) शब्द (ख) पदबंध
(ग) पद (घ) संज्ञा

14. जो शब्द प्रयोग के अनुसार परिवर्तित नहीं होते– [CBSE 2010 (Term – I)]

(क) विकारी शब्द (ख) अविकारी शब्द
(ग) सर्वनाम (घ) विशेषण

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

15. रिक्त स्थान की पूर्ति सर्वनाम से कीजिए। मुझे .... खाने को दीजिए। [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) कुछ (ख) रोटी
(ग) मिठाई (घ) सब्ज़ी

16. कौन-सा शब्द संज्ञा नहीं है? [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) ताजमहल (ख) बैंगलोर
(ग) सुंदरता (घ) मीठा

17. वर्णों की स्वतंत्र और सार्थक इकाई कहलाती है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पद (ख) पदबंध
(ग) शब्द (घ) अक्षर

18. एक या अधिक वर्णों से मिलकर बनी स्वतंत्र और सार्थक इकाई को क्या कहते हैं– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) वर्ण-विचार (ख) शब्द
(ग) पद (घ) वाक्य

19. एक दूसरे के विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को कहते हैं– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पर्यायवाची (ख) अनेकार्थी
(ग) उल्ट-पुल्ट (घ) विलोम

20. मेरे पास चार खिलौने हैं। रेखांकित को कहेंगे– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पद (ख) पदबंध
(ग) शब्द (घ) वर्ण

उत्तर :

1. (क)	2. (क)	3. (ग)	4. (ग)
5. (ग)	6. (घ)	7. (घ)	8. (ख)
9. (ग)	10. (ख)	11. (घ)	12. (घ)
13. (ग)	14. (ख)	15. (क)	16. (घ)
17. (ग)	18. (ख)	19. (घ)	20. (क)

IV. रेखांकित पदबंधों के सही भेद चुनिए—

1. नाव उफनती नदी में डूब गई।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

2. घोंसले में रहने वाली चिड़िया उड़ गई।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

3. रात में भौंकने वाला कुत्ता मर गया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

4. वह दौड़ते-दौड़ते थक गया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

5. दक्षिण से उत्तर तक भारत एक है। [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

6. हमेशा शोर करने वाला वह आज शांत था।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

7. वह सदा हँसता हुआ आता है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

8. लड़कियाँ मंच पर नृत्य कर रही हैं।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

9. घर से भागा वह आज पकड़ा गया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

10. मैं बड़ी देर तक उसका इंतज़ार करता रहा।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

11. पौने दो घंटे बाद पुलिस आई।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

12. वह लपाती की समुद्री चट्टान पर पहुँच गया। [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

13. गाड़ी पानी में डूबती चली गई।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

14. गंगा-यमुना वाला देश भारत ही है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

15. वह बहुत ज़ोर से बोलता है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

16. जनरल साहब का बावर्ची आ रहा है। [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

उत्तर :

1. (घ)	2. (ग)	3. (ग)	4. (घ)
5. (घ)	6. (ख)	7. (घ)	8. (घ)
9. (ख)	10. (घ)	11. (घ)	12. (क)
13. (घ)	14. (क)	15. (घ)	16. (क)

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

V. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के सही नाम चुनिए–

1. मंदिर के पास लगा पौधा सूख गया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण

2. सदा खुश रहने वाली वह आज दुखी है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

3. वह मंदिर लगभग दो सौ फीट ऊँचा है।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

4. कालिंदी एक्सप्रेस कानपुर से भिवानी तक जाती है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

5. लकड़ी के सहारे चलता हुआ वृद्ध गिर पड़ा।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

6. युवक तेज़ धार के साथ बहता चला जा रहा है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

7. हैदराबाद में रहने वाला मेरा चचेरा भाई कल दिल्ली पहुँचेगा।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

8. दो महीने पहले मैं मुंबई गया था।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

9. राजा ने गिड़गिड़ाते हुए निर्धन को धन दिया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

10. पटना से आया शेखर घूमने गया है।
(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

11. वह तीर के समान तैरता हुआ एक दूसरे किनारे पर पहुँच गया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

12. सरला अपनी माँ के साथ बाज़ार गई।
(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

13. महँगा खरीदा हुआ कपड़ा हमेशा टिकाऊ नहीं होता।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

14. शोर मचाने वाले तुम सब बाहर जाओ।
(क) विशेषण पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

15. कोई स्त्री रोती हुई जा रही है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

16. मेरे घर के चारों ओर फुलवारी है।
(क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

17. अटल बिहारी वाजपेई भारत के सबसे भले नेता हैं।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

18. कानपुर से आए हम सभी शुद्ध शाकाहारी हैं।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

19. शिवम पढ़ते-पढ़ते सो गया।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

20. प्रतिदिन की तरह वह काम करती रहीं।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

21. लाठी चार्ज में घायल हुआ युवक अस्पताल में भर्ती है।
[CBSE 2010 (Term – I)]
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

22. सदा परिश्रम करने वाले वे दोनों इस बार चूक गए।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

उत्तर :	**1.** (क)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (घ)
	5. (ख)	**6.** (ख)	**7.** (ग)	**8.** (घ)
	9. (क)	**10.** (ख)	**11.** (ग)	**12.** (घ)
	13. (क)	**14.** (ख)	**15.** (ग)	**16.** (घ)
	17. (क)	**18.** (ख)	**19.** (ग)	**20.** (घ)
	21. (क)	**22.** (ख)		

VI. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के सही नाम चुनिए–

1. गली के सभी मकानों से बड़ा मकान मेरा है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

2. समय पर खाना न खाने से माँ बीमार हो गई।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

3. उस गाँव के सभी शिक्षित युवक अध्यापक हो गए।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

4. कमल की तरह खिली रहने वाली वे दोनों आज उदास थीं।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

5. भिखारी भीख माँगता हुआ घूम रहा है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

6. पत्थर की तरह वह लुढ़ककर गिर गया।
(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

7. सदा सत्य बोलने वाली श्रीमती विमला को कौन नहीं जानता।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

8. नदी में नहाने गईं वे अभी नहीं लौटीं।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

9. हरिद्वार से आया हुआ मेरा मित्र जानवरों का डॉक्टर है।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

10. वह सुस्ताने के लिए पेड़ के नीचे बैठ गया।
(क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

11. पाकिस्तान से आई हुई खिलाड़ियों की टीम आज वापस जा रही है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

12. परीक्षा देने वाले छात्रों में से कोई भी फेल नहीं हुआ।
(क) क्रिया पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

13. आम के पेड़ पर बैठा हुआ तोता आमों को काट रहा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

14. परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर मैं तुम्हें एक साइकिल दूँगा।
(क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

15. रात को पहरेदारी करने वाला चौकीदार दिन में सोता है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

16. गाँव से शहर पढ़ने आए छात्रों में से कुछ वापस चले गए।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

17. डींकता हुआ साँड बैल से लड़ने लगा।
(क) क्रिया पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

18. युवक तेज़ी से दौड़ता हुआ गिर पड़ा।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

19. जंगल में चारों ओर घने पेड़ थे।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

20. गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ती हुई स्टेशन के बाहर निकल गई।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

21. ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाता हुआ कोई वहीं खड़ा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

22. मोहन फिसलते हुए तालाब में गिर गया।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

23. तैराकी में प्रथम आने वाला मोहसिन मेरा मित्र है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

24. चिंघाड़ता हुआ हाथी चला आ रहा है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

25. उदयपुर में रहने वाला शौर्यवर्धन सिंह मेरा शिष्य है।
(क) विशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

26. वे पार्क में कुर्सी पर बैठे हुए कुछ सोच रहे हैं।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

27. जंगल में घूमता हुआ शेर मुझे दिखाई पड़ रहा है।
(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

28. परचौली में रहने वाले श्री मथुरा प्रसाद अग्निहोत्री मेरे ताऊ जी हैं।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

29. परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए उसने जी-तोड़ परिश्रम किया।
(क) क्रिया पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

30. अपनी याददाश्त को तेज़ कर उसने सारी बात बताई। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

31. कब से लगातार बरसात हो रही है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

 © GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

32. मेरा मामा जी बहुत नेक और ईमानदार हैं।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

33. माली पौधों को पानी दे रहा है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

34. कुमार प्रकाश बहुत धूर्त और बेईमान आदमी है।
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

उत्तर :				
	1. (ग)	**2.** (घ)	**3.** (क)	**4.** (ख)
	5. (ग)	**6.** (घ)	**7.** (क)	**8.** (ख)
	9. (ग)	**10.** (घ)	**11.** (क)	**12.** (ख)
	13. (ग)	**14.** (घ)	**15.** (क)	**16.** (ख)
	17. (ग)	**18.** (घ)	**19.** (क)	**20.** (ख)
	21. (ग)	**22.** (घ)	**23.** (क)	**24.** (ख)
	25. (ग)	**26.** (घ)	**27.** (क)	**28.** (ख)
	29. (ग)	**30.** (घ)	**31.** (क)	**32.** (ख)
	33. (ग)	**34.** (घ)		

VII. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदबंधों के सही नाम चुनिए-

1. जनता को लूटने वाले नेता कैसे जीतते हैं?
(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

2. उसने यह बात आत्मविश्वास के साथ कही।
(क) विशेषण पदबंध (ख) क्रियाविशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

3. कितनी ही लारियाँ बाहर घुमाई जा रही हैं।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रियाविशेषण पदबंध

4. वंदे मातरम बोलते हुए वह मोनुमेंट की ओर बहुत जोर से दौड़ा।
(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम
(ग) विशेषण (घ) क्रियाविशेषण

5. आम के पेड़ पर बैठा हुआ तोता आमों को काट रहा है।
(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) क्रिया पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

6. अध्यापक कक्षा में पढा रहे हैं। रेखांकित पदबंध है?
(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) अव्यय पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

7. 'चोट खाए हुए तुम भला क्या खेलोगे?' रेखांकित पदबंध है–
(क) विशेषण पदबंध (ख) अव्यय पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

8. 'रेशम की बनी साड़ी खरीद लो।' वाक्य में रेखांकित अंश कौन-सा पदबंध है?
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

9. 'ऐसा व्यापक और भयंकर सूखा कभी नहीं पड़ा।' रेखांकित पदबंध है–
(क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

10. 'लाल बालों वाला एक सिपाही चला आ रहा था।' (रेखांकित पदबंध का प्रकार बताइए)
(क) क्रिया पदबंध (ख) अव्यय पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) संज्ञा पदबंध

11. 'मैं पढ सकता हूँ,' रेखांकित पदबंध है।
(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया विशेषण
(ग) क्रिया पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

12. 'सबको डराने वाले तुम आज भीगी बिल्ली क्यों बने हो।' रेखांकित पदबंध है–
(क) सर्वनाम पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) क्रिया विशेषण पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

13. 'जो युवती कम्प्यूटर पर काम कर रही थी वह मंत्री जी की भतीजी है? रेखांकित पदबंध हैं–
(क) क्रिया विशेषण पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) संज्ञा पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

उत्तर :				
	1. (क)	**2.** (ख)	**3.** (ग)	**4.** (घ)
	5. (ग)	**6.** (क)	**7.** (ग)	**8.** (क)
	9. (क)	**10.** (घ)	**11.** (ग)	**12.** (क)
	13. (ग)			

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1. 'दुकानों में ऊँघते हुए चेहरों ने बाहर की ओर देखा।' वाक्य में संज्ञा पदबंध है–
(क) दुकानों में (ख) दुकानों में ऊँघते हुए
(ग) दुकानों में ऊँघते हुए चेहरों ने
(घ) बाहर की ओर

2. 'आयुष सुरभि के चुटकुले सुन-सुनकर हँसता रहा।' में क्रिया पदबंध है–
(क) सुनकर हँसता रहा (ख) सुरभि का चुटकुला सुनकर
(ग) हँसता रहा (घ) चुटकुला सुनकर

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

3. 'वह फुटबॉल की तरह लुढ़ककर गिर गया।' क्रियाविशेषण पदबंध है–

(क) फुटबॉल की तरह लुढ़ककर
(ख) लुढ़कर गिरना (ग) फुटबॉ की तरह
(घ) फुटबॉल की तरह लुढ़कना

4. 'यह ख्यूक्रिन हमेशा कोई न कोई शरारत करता रहता है।' (वाक्य में क्रिया पदबंध है–)

(क) करता (ख) करता है
(ग) करता रहता है (घ) शरारत करता है

5. 'हमेशा बोलने वाले तुम आज चुप क्यों हो?' वाक्य में सर्वनाम पदबंध है?

(क) हमेशा बोलने वाले (ख) तुम आज चुप क्यों हो
(ग) हमेशा बोलने वाले तुम
(घ) हमेशा बोलने वाले तुम आज

6. 'रास्ते पर लोग धीरे-धीरे बोलते-बतियाते जा रहे थे।' वाक्य में क्रिया विशेषण पदबंध है

(क) धीरे-धीरे (ख) बोलते-बतियाते जा रहे
(ग) धीरे-धीरे बोलते-बतियाते (घ) बतियाते जा रहे थे

7. 'दरवाजे पर खड़ा मैं तुम्हारा इंतजार करता रहा।' वाक्य में विशेषण पदबंध है–

(क) खड़ा (ख) दरवाजे पर खड़ा
(ग) तुम्हारा इंतजार (घ) दरवाजे पर खड़ा मैं

उत्तर : **1.** (ग) **2.** (क) **3.** (क) **4.** (ग) **5.** (ग) **6.** (ग) **7.** (ख)

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

कक्षा-कार्य

शब्द, पद और पदबंध की अवधारणा को स्पष्ट करने, भेद संबंधी दुविधा को मिटाने तथा पाठ का पुनरभ्यास कराने के लिए अध्यापक/अध्यापिका छात्र-छात्राओं से निम्नलिखित प्रश्न पूछ सकते हैं–

- शब्द किसे कहते हैं तथा वह पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
- शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
- पदबंध किसे कहते हैं तथा इसके कितने भेद हैं? एक-एक उदाहरण देकर उनके भेदों के नाम लिखिए।

गृह-कार्य

अध्यापक/अध्यापिका छात्रों को घर से निम्नलिखित प्रश्न करके लाने को कह सकते हैं–

- संज्ञा पदबंध तथा सर्वनाम पदबंध में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए तथा प्रत्येक के पाँच-पाँच उदाहरण दीजिए।
- विशेषण और क्रियाविशेषण में क्या अंतर है? पाँच-पाँच उदाहरण देकर उनका अंतर स्पष्ट कीजिए।

क्रियाकलाप

किसी समाचार-पत्र, पत्रिका अथवा पुस्तक आदि के अंशों को छात्रों को पढ़ने के लिए देकर उसमें से पदबंध छाँटकर उनके भेद लिखने के लिए छात्रों से कह सकते हैं। यह भी स्पष्ट करने के लिए कह सकते हैं कि अमुक पंक्ति या वाक्य में अमुक पदबंध क्यों है।

आवश्यकतानुसार उनका संशोधन करें।

जैसे-श्री राहुल सांस्कृत्यायन द्वारा रचित यात्रा-वृत्तांत 'ल्हासा की ओर' का निम्नलिखित अंश पढ़िए–

वह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है। फरी-कलिङ्पोङ् का रास्ता जब नहीं खुला था, तो नेपाल ही नहीं, हिंदुस्तान की भी चीज़ें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थीं। यह व्यापारिक ही नहीं, सैनिक रास्ता भी था, इसीलिए जगह-जगह फ़ौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं, जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी। आजकल बहुत से फ़ौजी मकान गिर चुके हैं। दुर्ग के किसी भाग में, जहाँ किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है, वहाँ घर कुछ आबाद दिखाई पड़ते हैं। ऐसा ही परित्यक्त एक चीनी किला था। वहाँ हम चाय पीने के लिए ठहरे। तिब्बत में यात्रियों के लिए बहुत-सी तकलीफ़ें भी हैं और कुछ आराम की बातें भी। वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल ही नहीं है और न औरतें परदा ही करती हैं। बहुत निम्न श्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते; नहीं तो आप बिलकुल घर के भीतर चले जा सकते हैं।

परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे, तो एक आदमी राहदारी माँगने आया। हमने वे दोनों चिटें उसे दे दीं। शायद उसी दिन हम थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव में पहुँच गए। यहाँ भी सुमति के जान-पहचान के आदमी थे, और भिखमंगे भी। फिर भी ठहरने के लिए अच्छी जगह मिली। पाँच साल बाद हम इसी रास्ते लौटे थे और भिखमंगे नहीं, एक भद्र यात्री के वेश में घोड़ों पर सवार होकर आए थे; किंतु उस वक्त किसी ने हमें रहने के लिए जगह नहीं दी, और हम गाँव के एक सबसे गरीब झोंपड़े में ठहरे थे। बहुत कुछ लोगों की उस वक्त की मनोवृत्ति पर ही निर्भर है, खासकर शाम के वक्त छंङ् पीकर बहुत कम लोग होश-हवास को दुरुस्त रखते हैं।

दूसरे अनुच्छेद में से पदबंध छाँटिए और पदबंध का नाम लिखिए-

पदबंध	भेद का नाम
1. परित्यक्त चीनी किले से जब हम चलने लगे।	संज्ञा पदबंध
2. हम थोंङ्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँच गए।	विशेषण पदबंध
3. एक भद्रयात्री के वेश में घोड़ों पर सवार होकर हम आए थे।	क्रियाविशेषण पदबंध

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2 पद-परिचय

आप जानते हैं कि वाक्य में प्रयुक्त शब्द को **'पद'** कहते हैं। पद-परिचय का तात्पर्य है–वाक्य में प्रयुक्त पदों (शब्दों) का व्याकरणिक परिचय देना। जैसे –

अध्यापिका ने श्रेष्ठ को पुस्तक दी।

इस वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द का वाक्य में प्रयोग के अनुसार क्या स्थान है, उसका लिंग, पुरुष, वचन और कारक क्या है, यदि अविकारी शब्द है तो किस प्रकार का अव्यय है और उसका वाक्य के अन्य शब्दों के साथ क्या संबंध है — इन सब बातों की जानकारी देना ही **'पद-परिचय'** कहलाता है।

ऊपर लिखे वाक्य में प्रत्येक पद का परिचय इस प्रकार होगा —

अध्यापिका ने — जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक ('ने' परसर्ग सहित), 'दी' क्रिया की कर्ता है।

श्रेष्ठ को — व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक ('को' परसर्ग सहित), 'दी' क्रिया का गौण कर्म।

पुस्तक — जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित 'दी' क्रिया का मुख्य कर्म।

दी–द्विकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्यपुरुष, कर्तृवाच्य और 'अध्यापिका' इसकी कर्ता है।

एक और उदाहरण देखिए-

माँ मुन्ने को दूध पिला रही हैं।

माँ-जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक ('ने' परसर्ग रहित), 'पिला रही हैं' क्रिया की कर्ता।

मुन्ने को- व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक ('को' परसर्ग सहित), 'पिला रही हैं' क्रिया का गौण कर्म।

दूध-द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिग, कर्म कारक परसर्ग रहित, 'पिला रही हैं' क्रिया का मुख्य कर्म।

पिला रही हैं-अपूर्ण वर्तमानकालिक द्विकर्मक क्रिया, सम्मानार्थक बहुवचन का प्रयोग, इसकी कर्ता 'माँ' है। इसके दो कर्म क्रमशः दूध और मुन्ना हैं।

अब आप समझ गए होंगे कि सामान्य रूप से 'पद' का परिचय किस प्रकार दिया जाता है।

वाक्य में प्रयुक्त किसी एक निर्दिष्ट पद अथवा सभी पदों का व्याकरण की दृष्टि से परिचय देना 'पद-परिचय' कहलाता है।

'पद-परिचय' लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए —

1. **संज्ञा का पद-परिचय** — इसमें संज्ञा का भेद (जातिवाचक, व्यक्तिवाचक, भाववाचक आदि), लिंग (पुल्लिग/स्त्रीलिंग), वचन (एकवचन/बहुवचन), कारक (कर्ता, कर्म, करण आदि भेद) एवं क्रिया के साथ उसका संबंध बताना चाहिए। जैसे —

   (i) हमारी **कक्षा का आशुतोष** हमेशा **सच** बोलता है।

   कक्षा का — समुदायवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक ('का' परसर्ग सहित), आशुतोष कर्ता से संबद्ध।

   आशुतोष — व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक ('ने' परसर्ग रहित), 'बोलता है', क्रिया का कर्ता।

   सच — भाववाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक, 'बोलता है' क्रिया का कर्म।

   (ii) **ताजमहल की सुंदरता** देखकर **विदेशी लोग** भी हैरान रह जाते हैं।

   ताजमहल की — व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, संबंध कारक ('की' परसर्ग सहित), 'सुंदरता' से संबद्ध।

   सुंदरता — भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'देखना' क्रिया का कर्म।

   विदेशी लोग — जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, बहुवचन, कर्म कारक, 'हैरान रह जाते हैं', क्रिया का कर्ता।

2. **सर्वनाम का पद-परिचय** — इसमें सर्वनाम के भेद (पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक तथा निजवाचक), लिंग, वचन, कारक (उनके भेद) तथा क्रिया के साथ उसका संबंध बताना चाहिए। जैसे —

   (i) **हम** अपने देश का मान बढ़ाएँगे।

   हम — पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक। 'मान बढ़ाएँगे' क्रिया का कर्ता।

   (ii) **आप कुछ** बोलते क्यों नहीं?

   आप — पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, एकवचन, पुल्लिग-स्त्रीलिंग दोनों में प्रयुक्त होता है, कर्ता कारक, 'बोलते' क्रिया का कर्ता।

   कुछ — अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग-स्त्रीलिंग दोनों में प्रयुक्त हो सकता है, कर्म कारक, 'बोलते' क्रिया का कर्म।

3. **विशेषण का पद-परिचय** — इसमें विशेषण का भेद (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक, सार्वनामिक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

 © GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

विशेषण), लिंग, वचन, अवस्था (मूलावस्था, उत्तरावस्था, उत्तमावस्था) तथा संज्ञा या सर्वनाम जिस विशेष्य की विशेषता बता रहा है, उसका उल्लेख करना चाहिए। जैसे —

(i) **वीर** सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेज़ों को खूब छकाया।
वीर — गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'सुभाष चंद्र बोस' है।

(ii) मेरी **छोटी-सी** बगिया में **चार** गुलाब के पौधे हैं।
छोटी-सी — गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'बगिया' है।
चार — संख्यावाची गणनावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'गुलाब' है।

4. क्रियापद का पद-परिचय — क्रिया का पद-परिचय करते समय उसके मुख्य दो भेद (अकर्मक तथा सकर्मक) एवं अन्य भेद (संयुक्त क्रिया आदि), काल (वर्तमान, भूत, भविष्य), लिंग, वचन, वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य) तथा कर्ता, कर्म, करण आदि कारकों के साथ संबंध भी लिखें। जैसे —

(i) अभिनव नाराज **होकर चला गया**।
होकर — पूर्वकालिक क्रिया, अव्यय।
चला गया — अकर्मक संयुक्त क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'अभिनव' है।

(ii) देवी के शरीर पर जो लाखों रुपये के गहने **थे**, उन्हें **चुराकर** स्वयं पुजारी **भाग निकला**।
थे — भूतकालिक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका पूरक शब्द 'गहने' है।
चुराकर — पूर्वकालिक क्रिया, अव्यय।
भाग निकला — अकर्मक संयुक्त क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'पुजारी' है।

5. क्रियाविशेषण का पद-परिचय — इसमें केवल दो बातें लिखनी चाहिए — (1) इसका भेद (स्थानवाचक, कालवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक) तथा (2) वह क्रिया, जिसकी विशेषता बताई जा रही है। जैसे —

(i) हरिहर काका **देर तक** महंत जी की बातें सुनते रहे।
देर तक — कालवाचक क्रियाविशेषण, 'सुनते रहे' क्रिया की विशेषता बता रहा है।

(ii) कक्षा में अध्यापिका के न होने के कारण सारे बच्चे **ज़ोर-ज़ोर से** बातें कर रहे हैं।
ज़ोर-ज़ोर से — रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'बातें कर रहे हैं' क्रिया की विशेषता प्रकट कर रहा है।

6. संबंधबोधक का पद-परिचय — इसमें भी केवल दो बातें लिखनी चाहिए — (1) इसका भेद (कालवाचक, स्थानवाचक, दिशावाचक, कारणवाचक, साधनवाचक, तुलनावाचक, विरोधवाचक, समानतावाचक) तथा (2) इसका संबंधी शब्द। जैसे —

(i) दाईं ओर पहला कमरा हेडमास्टर जी का था जिसके दरवाज़े **के आगे** हमेशा चिक लटकी रहती थी।
के आगे — दिशावाचक संबंधबोधक, 'दरवाज़ा' इसका संबंधी शब्द है।

(ii) सुमित के घर **के समीप** ही बाज़ार है।
के समीप — स्थानवाचक संबंधबोधक, 'घर' और 'बाज़ार' के बीच संबंध स्थापित कर रहा है।

7. समुच्चयबोधक का पद-परिचय — इसमें भी दो बातें लिखनी चाहिए — (1) इसका भेद (समानाधिकरण अथवा व्यधिकरण) तथा (2) योजित शब्द या वाक्य, जिन्हें वह जोड़ता है। जैसे —

(i) हमें पाँचवीं कक्षा में अंग्रेज़ी नहीं आती थी **क्योंकि** उस समय छठी कक्षा से उसकी पढ़ाई शुरू होती थी।
क्योंकि–व्यधिकरण समुच्चयबोधक, 'पाँचवीं कक्षा में अंग्रेज़ी नहीं आने' और 'छठी कक्षा से उसकी पढ़ाई शुरू होने' के बीच संबंध स्थापित कर रहा है।

(ii) बचपन में घास अधिक हरी **और** फूलों की सुगंध अधिक मनमोहक लगती है।
और — समानाधिकरण समुच्चयबोधक, बचपन में 'घास अधिक हरी' तथा 'और फूलों की सुगंध अधिक मनमोहक' दो वाक्यांशों को जोड़ता है।

8. विस्मयादिबोधक का पद-परिचय — इसमें केवल यह बताना होता है कि वह कौन-सा भाव व्यक्त कर रहा है। जैसे —

(i) **शाबाश!** तुमने तो कमाल कर दिया।
(ii) **अरे बाप रे!** इतना बड़ा साँप!
(iii) **छिः! छिः!** तुम चोरी करोगे, ऐसा मैं सोच भी नहीं सकता।

इन वाक्यों में 'शाबाश!' प्रशंसा का, 'अरे बाप रे!' भय का और 'छिः! छिः!' घृणा का भाव प्रकट कर रहे हैं। अतः ये तीनों विस्मयादिबोधक अव्यय पद हैं।

इनके अतिरिक्त कुछ पद ऐसे होते हैं, जिनका वाक्य में स्थिति के आधार पर अथवा प्रयोग के आधार पर अलग-अलग प्रकार से पद-परिचय किया जाता है। जैसे —

(i) **वह** उछलता-कूदता बाहर चला गया।
(ii) **वह** लड़का बहुत शरारती है।

पहले वाक्य में **'वह'** सर्वनाम पद है जबकि दूसरे वाक्य में **'वह'** सार्वनामिक विशेषण है। अतः वाक्य में शब्द की स्थिति देखकर ही पद-परिचय करना चाहिए।

अन्य उदाहरण देखिए-

(i) **कुछ** भी पढ़ो, लेकिन पढ़ो तो सही।

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ii) **कुछ सब्ज़ी** लेते आना।

इनमें पहला वाला **'कुछ'** अनिश्चयवाचक सर्वनाम है और कर्म कारक का उदाहरण है। दूसरे वाक्य में 'कुछ' अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण है।

बहुविकल्पीय प्रश्न-अभ्यास

I. दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त पद-परिचय चुनिए–

मैं पिछले साल उसे मुंबई में मिला था।

1. मैं—

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिग, बहुवचन, कर्ता कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

(घ) निजवाचक सर्वनाम (उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ('मिला था' क्रिया का कर्ता)

2. पिछले साल—

(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'मिला था' क्रिया का स्थान बता रहा है।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।

(ग) विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, साल विशेष्य, पिछले विशेषण

(घ) कालवाचक, क्रियाविशेषण, 'मिला था' क्रिया का समय बता रहा है।

3. उसे—

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, (अन्य पुरुष) पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, एकवचन, कर्म कारक 'मिला था' क्रिया का कर्म है।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, (अन्य पुरुष) पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, बहुवचन, कर्म कारक।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, (अन्य पुरुष) पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, एकवचन, कर्ता कारक।

(घ) पुल्लिग एवं स्त्रीलिंग दोनों में संभव, एकवचन, कर्म कारक।

4. मुंबई में—

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, बहुवचन, अधिकरण कारक।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक परसर्ग सहित, 'मिला था' क्रिया का आधार है।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक।

5. मिला था—

(क) सकर्मक क्रिया, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिग, एकवचन, इसका कर्ता 'मैं' है।

(ख) सकर्मक क्रिया, पूर्ण भूतकाल, पुल्लिग, बहुवचन।

(ग) सकर्मक क्रिया, पूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिग, एकवचन।

II. रेखांकित पदों का उचित पद-परिचय चुनिए–

अमर यहाँ दूसरे कमरे में रहता था।

1. अमर—

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक, परसर्ग रहित, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, बहुवचन, कर्ता कारक परसर्ग रहित, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक परसर्ग रहित, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक परसर्ग रहित, 'रहता' था' क्रिया का कर्ता।

2. यहाँ—

(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता था' क्रिया के स्थान का द्योतक है।

(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता था' क्रिया की रीति का द्योतक है।

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'रहता था' क्रिया के काल का द्योतक है।

(घ) परिमाणवाचक, क्रियाविशेषण 'रहता था' क्रिया के परिणाम का द्योतक है।

3. दूसरे—

(क) क्रमसूचक-संख्यावाचक, विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य 'कमरा' है।

(ख) क्रमसूचक-संख्यावाचक, विशेषण, पुल्लिग, बहुवचन, विशेष्य– 'कमरा'।

(ग) क्रमसूचक-संख्यावाचक, विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, विशेष्य– 'कमरा'।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक।

III. रेखांकित पदों का उचित पद-परिचय चुनिए-

यह छतरी मेरी छोटी बहन की है, इसलिए मैं तुम्हें नहीं दे सकता।

1. यह—

(क) संकेतवाचक या सार्वनामिक, विशेषण, एकवचन, विशेष्य –'छतरी'।

(ख) संकेतवाचक या सार्वनामिक, विशेषण, बहुवचन, विशेष्य –'छतरी'।

(ग) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'छतरी' है।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, विशेष्य –'छतरी'।

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. छोटी—

(क) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'बहन' है।

(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य- 'बहन'।

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य- 'बहन'।

(घ) क्रियाविशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य- 'बहन'।

3. इसलिए—

(क) समुच्चयबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं तुम्हें नहीं दे सकता' को जोड़ता है।

(ख) संबंधबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं तुम्हें नहीं दे सकता' के बीच संबंध स्थापित करता है।

(ग) कारणवाचक व्यधिकरण समुच्चयबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं नहीं दे सकता' इन दो वाक्यों को जोड़ता है।

(घ) समानाधिकरण समुच्चयबोधक, 'यह छतरी छोटी बहन की है' और 'मैं तुम्हें नहीं दे सकता' वाक्यों को जोड़ता है।

IV. रेखांकित पदों का उचित पद-परिचय चुनिए-

जब वे घर पहुँचे तो कविता पढ़ रही थी।

1. वे— **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया का कर्ता।

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया का कर्ता।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया की कर्ता।

(घ) उत्तम पुरुष सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'पहुँचे' क्रिया का कर्ता।

2. पढ़ रही थी—

(क) सकर्मक क्रिया, अपूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

(ख) सकर्मक क्रिया, अपूर्ण भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

(ग) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

(घ) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, एकवचन, कर्तृवाच्य, 'कविता' कर्ता की क्रिया।

V. रेखांकित पदों का उचित पद परिचय चुनिए-

दौड़कर जाओ और बाज़ार से कुछ लाओ।

1. दौड़कर—

(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'जाओ' क्रिया की विधि बता रहा है।

(ख) पूर्वकालिक क्रिया, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, जाओ क्रिया की विधि बता रहा है।

(ग) पूर्वकालिक क्रिया, जाओ क्रिया की विधि बता रहा है।

(घ) पूर्वकालिक क्रियाविशेषण, जाओ क्रिया की विधि बता रहा है।

2. बाज़ार—

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अपादान कारक।

(ख) जातिवाचक, संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक परसर्ग सहित।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अपादान कारक।

3. कुछ—

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म।

(ख) सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म।

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, कर्मकारक।

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म।

VI. रेखांकित पदों का उचित पद परिचय दीजिए-

पायल वहाँ आठवीं कक्षा में पढ़ती थी।

1. आठवीं— **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संख्यावाचक विशेषण, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

(ख) निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

(ग) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

(घ) विशेषण क्रमसूचक, संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, इसका विशेष्य 'कक्षा' है।

2. कक्षा में—

(क) समूहवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (में परसर्ग सहित) तथा 'पढ़ती है' क्रिया का आधार है।

(ख) समूहवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

(ग) समूहवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, अधिकरण कारक, स्त्रीलिंग।

VII. निदेशानुसार उत्तर दीजिए-

1. बाज़ार से <u>कुछ</u> गेहूँ ले आना। रेखांकित का पद-परिचय है- **[CBSE 2010 (Term – I)]**

(क) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, 'गेहूँ' विशेष्य

(ख) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, 'गेहूँ' विशेष्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ग) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, 'गेहूँ' विशेष्य
(घ) सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक।

2. '<u>वे</u> खेल रहे हैं।' रेखांकित का पद परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक
(ख) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक
(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ता कारक
(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक

3. 'निखिल ने <u>दसवीं</u> कक्षा की परीक्षा दी है'–रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण
(ख) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण
(ग) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण
(घ) संख्यावाचक (क्रमसूचक) विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण

4. 'महादेवी वर्मा <u>कविता</u> लिखती थीं।' रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म
(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म
(घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लिखती थीं' क्रिया का कर्म

5. 'लंका का राजा <u>रावण</u> था।' रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

6. '<u>हम</u> अपने देश पर मर मिटेंगे।' [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तमपुरुष, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

7. '<u>राधा</u> सातवीं कक्षा में पढ़ती है।' रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक 'पढ़ती है' क्रिया की कर्ता है
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

8. 'बाज़ार से <u>कुछ</u> तो लाओ।' रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक
(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'लाओ' क्रिया का कर्म है।
(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक
(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, करणकारक

9. 'मैं खाना बना सकती हूँ।' रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, मध्यम पुरुष
(ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, अन्य पुरुष
(ग) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, उत्तम पुरुष
(घ) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, उत्तम पुरुष, कर्तृवाच्य इसका कर्ता 'मैं' है।

10. 'यह लड़का बहुत चालाक है।' रेखांकित पद का परिचय है– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्ता
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्म
(ग) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्ता
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'है' क्रिया का कर्म

VIII. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए

1. 'राम <u>घर पर</u> नहीं है।' रेखांकित पद का परिचय चुनिए– [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरणकारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरणकारक
(घ) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरणकारक

2. 'आज मैंने <u>काला</u> हिरन देखा।' रेखांकित का पद–परिचय चुनिए। [CBSE 2010 (Term – I)]
(क) रीतिवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'हिरन' विशेष्य

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'हिरन' विशेष्य का विशेषण
(ग) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'मैंने' विशेष्य का विशेषण
(घ) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'हिरन' विशेष्य

3. '<u>हम</u> कक्षा दस में पढ़ते हैं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ग) निजवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

4. '<u>हिमालय</u> पर सदा बर्फ़ जमी रहती है।' रेखांकित का पद–परिचय दीजिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक
(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(ग) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(घ) समूहवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

5. 'मुंशी प्रेमचंद ने अनेक कहानियाँ लिखीं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'लिखी' क्रिया का कर्ता
(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'लिखी' क्रिया का कर्ता
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक, 'लिखी' क्रिया का कर्ता
(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

6. 'माँ भोजन <u>पका रही हैं।</u>' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अकर्मक क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल
(ख) सकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल
(ग) अकर्मक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल
(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल

7. 'मेरी अध्यापिका <u>लाल</u> गुलाब पसन्द करती हैं।' उचित पद–परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) परिमाणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'गुलाब' संज्ञा की विशेषता बताता है।
(ख) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'गुलाब' विशेष्य की विशेषता बताता है।
(ग) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, 'गुलाब' की विशेषता बताता है।
(घ) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'गुलाब' विशेष्य की विशेषता बताता है।

8. 'हम अपने <u>देश पर</u> मर मिटेंगे।' रेखांकित का पद–परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक
(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

9. '<u>प्रेमचंद</u> ने अनेक प्रसिद्ध उपन्यास लिखे।' उचित पद–परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'लिखे' क्रिया का कर्ता है।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

10. 'अरे वाह! <u>तुम</u> भी सुंदर लिख सकती हो।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सर्वनाम, मध्यम पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया की कर्ता
(ख) संज्ञा शब्द, मध्यम पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया की कर्ता
(ग) सर्वनाम, उत्तम पुरुषवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया कीं कर्ता
(घ) सर्वनाम, भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'लिख सकती हो' क्रिया की कर्ता

IX. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1. 'मनोहर दसवीं कक्षा में <u>पढता</u> है।' रेखांकित पद का परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अकर्मक क्रिया, एकवचन, अन्य पुरुष, भूतकाल, कर्तृवाच्य
(ख) अकर्मक क्रिया, 'पठ' धातु, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, कर्तरि प्रयोग, इस क्रिया का कर्ता, 'मनोहर' है
(ग) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य, इस क्रिया का कर्ता, 'मनोहर' है
(घ) सकर्मक क्रिया 'पठ' धातु, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, इस क्रिया का कर्ता, 'मनोहर' है

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

2. 'आह! उपवन में सुंदर फूल खिले हैं।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, 'उपवन' विशेष्य
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
(ग) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य 'फूल' हैं
(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, उपवन–विशेष्य

3. 'हम अपने देश पर मर मिटेंगे।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, भविष्यत् काल, 'हम' कर्ता की क्रिया है।
(ख) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन
(ग) संयुक्त क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन
(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन

4. 'मैं गाय का दूध पीना पसंद करता हूँ।' रेखांकित का पद परिचय है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, 'पसंद करता हूँ, क्रिया का कर्ता है। एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(ग) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

5. 'उस मकान में एक साँप रहता है।' रेखांकित पद का परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, अपादान कारक
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(घ) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक

6. 'राम ने श्याम को बुरी तरह मारा।' रेखांकित का पद परिचय दीजिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल
(ख) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल
(ग) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल
(घ) मुख्य क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल

7. 'मेरे पास पाँच पुस्तकें हैं।' रेखांकित का पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) संख्यावाचक संज्ञा, बहुवचन, कर्ता कारक, पुल्लिंग
(ख) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, इसका विशेष्य 'पुस्तकें' है
(ग) परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, विशेष्य पुस्तकें
(घ) इनमें से कोई नहीं

8. 'हे प्रभु! इन्हें सद्‌बुद्धि दीजिए।' रेखांकित का पद-परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, संबोधन कारक
(ख) अव्यय, संबंधबोधक, संबोधन कारक
(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग कर्ता कारक

9. 'इंदिरा जी जहाँ–जहाँ भी गईं, सर्वत्र स्वागत हुआ।' रेखांकित का पद परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक 'गई' क्रिया का कर्ता है।
(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक
(ग) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक
(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, करण कारक

10. 'हम अपने देश पर मर मिटेंगे।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक
(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक
(ग) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

X. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

1. 'जल्दी चलो, गाड़ी जाने ही वाली है।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अव्यय, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया की विशेषता बताता है
(ख) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग
(ग) क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन
(घ) अन्यपुरुष वाचक, सर्वनाम, स्त्रीलिंग

2. 'रमा ने खाना खाया।' रेखांकित का पद-परिचय होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, इसकी कर्ता 'रमा' है।
(ख) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल
(ग) संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल
(घ) सरल क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल

3. 'सुमित और रमेश बहुत अच्छे मित्र हैं।' रेखांकित का पद-परिचय होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) अव्यय, समुच्चयबोधक, सुमित और रमेश को जोड़ रहा है।
(ख) अव्यय, संबंधबोधक, संबंधकारक
(ग) निजवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, पुल्लिंग, बहुवचन
(घ) इनमें से कोई नहीं

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

4. 'इस संसार में सत्य की सदा जीत होती है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक
   (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
   (ग) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक
   (घ) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

5. 'शीला ने पुस्तक पढ़ ली।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल
   (ख) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्य काल
   (ग) सकर्मक क्रिया, संयुक्त क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल, इसकी कर्ता 'शीला' है।
   (घ) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

6. 'हिमालय विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत है।' रेखांकित का पद-परिचय चुनिए। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त
   (ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त
   (ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त
   (घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म की भाँति प्रयुक्त

7. 'गणतंत्र दिवस पर जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।' रेखांकित का पद-परिचय दीजिए–**[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य 'दिवस'
   (ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन
   (ग) सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन
   (घ) क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन

8. 'वह बहुत बोलता है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, कर्ता कारक, पुल्लिंग
   (ख) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
   (ग) जातिवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
   (घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक 'बोलता है' क्रिया का कर्ता है।

9. 'उस लड़के ने दो अनुच्छेद लिखे।' रेखांकित का पद-परिचय होगा– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) अव्यय, क्रियाविशेषण, संख्यावाचक, कर्म कारक
   (ख) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'निबंध' है
   (ग) निश्चित परिणामवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'निबंध' है
   (घ) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य 'अनुच्छेद' है

10. 'सुमन मधुर गाती है।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'सुमन' विशेष्य
   (ख) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण 'गाती है' क्रिया की रीति बता रही है
   (ग) रीतिवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'सुमन' विशेष्य
   (घ) इनमें से कोई नहीं

11. 'ज्वर के कारण वह उठ नहीं पाई।' रेखांकित पद का परिचय है– **[CBSE 2010 (Term – I)]**
   (क) अव्यय, हेतुवाचक, संबंधबोधक
   (ख) अव्यय, समुच्चयबोधक
   (ग) सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक
   (घ) पूर्वकालिक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

XI. रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए।

मेरे गाँव में कई विद्वान रहते हैं।

1. मेरे–
   (क) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, संबंधकारक, गाँव के साथ संबंध दिखाता है।
   (ख) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–गाँव।
   (ग) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–गाँव।
   (घ) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–गाँव।

2. विद्वान–
   (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं'।
   (ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं'।
   (ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं' क्रिया का कर्ता है।
   (घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'रहते हैं' क्रिया का कर्ता है।

XII. रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए।

उस मकान में एक साँप रहता है।

1. मकान में–
   (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग रहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग सहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।
(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग सहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।
(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक ('में' परसर्ग सहित), 'रहता है' क्रिया का आधार है।

2. एक–
(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।
(ख) परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।
(ग) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।
(घ) निश्चित संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–साँप।

XIII. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए–

1. जल्दी चलो, वरना गाड़ी छूट जाएगी।
(क) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया के स्थान को सूचित कर रहा है।
(ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया के काल को सूचित कर रहा है।
(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया की विधि (तरीके) को बता रहा है।
(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'चलो' क्रिया के परिमाण को सूचित कर रहा है।

2. हम सब भारतवासी हैं।
(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन।
(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन, कर्ता कारक।
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन उभय लिंग, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'हैं' क्रिया का कर्ता।
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, बहुवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित), 'हैं' क्रिया का कर्ता है।

3. आज निर्मल ने गृहकार्य नहीं किया।
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग सहित) 'किया' क्रिया का कर्ता है।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन कर्म कारक तथा 'किया' क्रिया का कर्म है।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग सहित), 'किया' क्रिया का कर्ता है।
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग सहित) तथा 'किया' क्रिया की कर्ता है।

4. कल सब लोग आए पर आप ही नहीं आए।
(क) अकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सब लोग' है।
(ख) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सब लोग' है।
(ग) सकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन इसका कर्ता है–'सब लोग'।
(घ) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मवाच्य, इसका कर्ता 'सब लोग' है।

5. आपके समान परिश्रमी मैंने दूसरा नहीं देखा।
(क) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'आप' है।
(ख) गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'आप' है।
(ग) गुणवाचक विशेषण, उभयलिंग, एकवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य 'आप' है।
(घ) गुणवाचक विशेषण, उभयलिंग, बहुवचन, मूलावस्था तथा इसका विशेष्य है–'आप'।

6. सफलता परिश्रम करने वालों के चरण चूमती है।
(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, ने परसर्ग रहित, 'चूमती है' क्रिया का कर्ता है।
(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग रहित) 'चूमती है' क्रिया का कर्ता है।
(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग रहित) 'चूमती है' क्रिया का कर्ता है।
(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (ने परसर्ग रहित) 'चूमती है' क्रिया की कर्ता है।

7. वह रवि है। **[CBSE 2010 (Term – I)]**
(क) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'रवि' है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

(ख) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य है–रवि।

(ग) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'रवि' है।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'रवि' है।

8. शिकारी ने चुपचाप कबूतर पर निशाना साधा।

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया का समय बता रहा है।

(ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया का स्थान बता रहा है।

(ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया की विधि बता रहा है।

(घ) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'निशाना साधा' क्रिया की मात्रा बता रहा है।

9. बंदर तराज़ू लाया और रोटी के दो टुकड़े किए।

(क) समानाधिकरण समुच्चयबोधक (विकल्प है) बंदर द्वारा तराज़ू लाने और रोटी का त्याग करने की बात बता रहा है।

(ख) व्यधिकरण समुच्चयबोधक (करणवाचक), बंदर तराज़ू लाया तथा रोटी के दो टुकड़े किए, इन दोनों वाक्यों को जोड़ रहा है।

(ग) समानाधिकरण समुच्चयबोधक, (संयोजक है) 'बंदर तराज़ू लाया' एवं 'रोटी के दो टुकड़े किए' इन दोनों वाक्यों को जोड़ता है।

(घ) व्यधिकरण समुच्चयबोधक (उद्देश्यवाचक) 'बंदर तराज़ू लाया' और 'रोटी के दो टुकड़े किए' वाक्यों का उद्देश्य स्पष्ट कर रहा है।

10. पिता जी ने दादी जी को दवाई दी।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित, 'दी' क्रिया का कर्म है।

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित, 'दी' क्रिया का कर्म है।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, परसर्ग रहित, 'दी' क्रिया का कर्म है।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक (परसर्ग रहित) 'दी' क्रिया का मुख्य कर्म है।

11. महकता गुलाब किसे अच्छा नहीं लगता।

(क) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, बहुवचन, करण कारक।

(ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, बहुवचन, कर्म कारक, 'लगता' क्रिया का कर्म है।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, एकवचन, कर्ता कारक (परसर्ग रहित)

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'अच्छा लगना' क्रिया का कर्म।

12. वह घर में छिपा है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'में' परसर्ग सहित 'छिपा है' क्रिया का आधार है।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण, में परसर्ग।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक, में परसर्ग सहित।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक में परसर्ग सहित।

13. वह नित्य घूमने जाता है।

(क) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, जाता है क्रिया का परिमाण (मात्रा) बता रहा है।

(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'जाता है' क्रिया के होने की विधि बता रहा है।

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण 'जाता है' क्रिया के होने का समय बता रहा है।

(घ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'जाता है' क्रिया के होने का स्थान बता रहा है।

14. वह इस दुख को नहीं सह सकेगा।

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(ख) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक (को परसर्ग सहित) 'सह सकेगा' क्रिया का कर्म है।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'सह सकेगा' क्रिया का कर्म है।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'सह सकेगा' क्रिया का कर्म है।

15. यह किताब मेरी है।

(क) सार्वनामिक विशेषण, उभयलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'किताब' है।

(ख) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'किताब' है।

(ग) सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन।

(घ) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, इसका विशेष्य 'किताब' है।

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

 © GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

16. वह कौन है जो छत पर खड़ा है?

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग सहित) 'खड़ा है' क्रिया का आधार है।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग सहित), 'खड़ा है' क्रिया का आधार है।

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग युक्त), 'वह' और 'जो' का आधार है।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (पर परसर्ग सहित) 'खड़ा है' क्रिया का आधार है।

17. कुछ लोग बहुत सज्जन होते हैं।

(क) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य है–लोग।

(ख) निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, इसका विशेष्य लोग है।

(ग) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, इसका कर्ता 'सभी' है।

(घ) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, इसका विशेष्य 'लोग' है।

18. मेरी प्रशंसा सभी करते हैं।

(क) सकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सभी' है।

(ख) सकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता है–सभी।

(ग) अकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता 'सभी' है।

(घ) द्विकर्मक क्रिया, सामान्य वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, इसका कर्ता है 'सभी'।

19. ताजमहल का सौंदर्य दर्शनीय होता है।

(क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'होता है' क्रिया का कर्म है।

(ख) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'होता है' क्रिया का कर्म है।

(ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक, ताजमहल से संबंध दर्शाता है।

(घ) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक, 'होता है' क्रिया का कर्म है।

20. मेरी बात सुनकर वह बहुत हँसा।

(क) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया का समय सूचित कर रहा है।

(ख) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया की विधि बता रहा है।

(ग) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया का स्थान स्पष्ट कर रहा है।

(घ) अधिकताबोधक परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसा' क्रिया की मात्रा बता रहा है।

XIV. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का सही पद-परिचय चुनिए?

1. मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।–

(क) क्रमसूचक संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(ख) संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) प्रश्नवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन

2. हामिद पतंग उड़ा रहा है। (रेखांकित का पद-परिचय चुनिए)

(क) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

3. 'अंजलि तुरंत ही वहाँ से चली गई।' में रेखांकित पद का परिचय है–

(क) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चली गई' क्रिया।

(ख) क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'चली गई' क्रिया।

(ग) क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'वहाँ से' क्रिया।

(घ) क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'वहाँ से' क्रिया।

4. मैं कल बीमार था इसलिए नहीं आ सका। रेखांकित पद का परिचय होगा–

(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) पुरुषवाचक पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

5. 'फूल की सुंदरता देखो।' रेखांकित पद का परिचय है–

(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

6. 'कपिल का भाई दौड़ में प्रथम आया।' रेखांकित पद का परिचय है–
   (क) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग एकवचन
   (ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग
   (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
   (घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अन्य पुरुष
7. 'मोहित कहानियों की पुस्तक पढ़ता है।' रेखांकित का पद-परिचय है–
   (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता 'कारक जिसकी क्रिया है-पढ़ता है'
   (ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता
   (ग) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता
   (घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता
8. 'मीरा का छोटा भाई समाचार पढ़ता है।' रेखांकित का पदपरिचय है–
   (क) सकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन
   (ख) अकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, अन्य पुरुष, पुल्लिंग,एकवचन
   (ग) अकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन
   (घ) सकर्मक क्रिया, पढ़ धातु, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन
9. 'राम सारी खबरें पढ़ चुका है।' रेखांकित पद का परिचय है–
   (क) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक
   (ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक
   (ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग वहुवचन, कर्मकारक
   (घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक
10. 'वह कल मुंबई जाएगा।' रेखांकित पद का परिचय है–
   (क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग
   (ख) सर्वनाम, मध्यमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग
   (ग) सर्वनाम, उत्तमपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग
   (घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, एकवचन, पुल्लिंग
11. 'यह बालक पुरस्कार जीत सकता है।' रेखांकित का पद-परिचय है–
   (क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन
   (ख) निश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन
   (ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग
   (घ) संकेतवाचक विशेषण, अन्यपुरुष, एकवचन
12. 'भारत विकासशील देश है।' रेखांकित का पद-परिचय है–
   (क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन
   (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
   (ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
   (घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
13. 'वह एक साहसी व्यक्ति है' - में रेखांकित का पद-परिचय है–
   (क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन।
   (ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
   (ग) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन
   (घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन
14. 'मीनू शाम को घूमते हुए आ जाएगी' रेखांकित का पद-परिचय है–
   (क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, भविष्यकाल, एकवचन
   (ख) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, भविष्यकाल, एकवचन
   (ग) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, भूतकाल, एकवचन
   (घ) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, भविष्यकाल, बहुवचन
15. 'खुशी आठवीं कक्षा में पढ़ती है।' रेखांकित शब्द का पद-परिचय छाँटिए-
   (क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन
   (ख) जातिवाचक संज्ञा, सत्रीलिंग, एकवचन
   (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
   (घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
16. 'द्वार के बाहर कोई खड़ा है।' – रेखांकित का पद-परिचय है:
   (क) संबंधबोधक, 'द्वार' और कोई का संबंध जोड़ रहा है,
   (ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग
   (ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग,
   (घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन
17. 'सपना हमेशा सच बोलती है।' - रेखांकित का पद-परिचय है–
   (क) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
   (ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, बोलती है' क्रिया की विशेषता बताती हैं
   (ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
   (घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
18. 'वह क्या लिख रहा है?' रेखांकित शब्द का पद-परिचय है–
   (क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक
   (ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक
   (ग) सर्वनाम उत्तमपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक
   (घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग बहुवचन, कर्त्ताकारक

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

19. 'जब <u>मैं</u> वहाँ पहुँचा तब वह टी.वी. देख रहा था।' रेखांकित पद का परिचय है–

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग

(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग

(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, एकवचन, पुल्लिंग

उत्तर

I.	**1.** (क)	**2.** (घ)	**3.** (क)	
	4. (ग)	**5.** (क)		
II.	**1.** (क)	**2.** (क)	**3.** (क)	
III.	**1.** (ग)	**2.** (क)	**3.** (ग)	
IV.	**1.** (क)	**2.** (क)		
V.	**1.** (क)	**2.** (ग)	**3.** (घ)	
VI.	**1.** (क)	**2.** (क)		
VII.	**1.** (ग)	**2.** (ख)	**3.** (घ)	**4.** (ग)
	5. (क)	**6.** (क)	**7.** (क)	**8.** (ख)
	9. (घ)	**10.** (क)		
VIII.	**1.** (ग)	**2.** (ख)	**3.** (क)	**4.** (क)
	4. (क)	**5.** (क)	**6.** (ख)	**7.** (ख)
	8. (क)	**9.** (ख)	**10.** (क)	
IX.	**1.** (ख)	**2.** (ग)	**3.** (क)	**4.** (ख)
	5. (क)	**6.** (ख)	**7.** (ख)	**8.** (क)
	9. (क)	**10.** (ग)		
X.	**1.** (क)	**2.** (क)	**3.** (क)	**4.** (क)
	5. (ग)	**6.** (घ)	**7.** (क)	**8.** (घ)
	9. (घ)	**10.** (ख)	**11.** (क)	
XI.	1. (क)	**2.** (घ)		
XII.	1. (ख)	**2.** (क)		
XIII.	**1.**(ग)	**2.** (ग)	**3.** (घ)	**4.** (ख)
	5.(क)	**6.** (घ)	**7.** (क)	**8.** (ग)
	9.(ग)	**10.** (घ)	**11.** (घ)	**12.** (क)
	13.(ग)	**14.** (ख)	**15.** (ख)	**16.** (घ)
	17.(घ)	**18.** (क)	**19.** (क)	**20.** (घ)
XIV.	**1.**(ख)	**2.** (ख)	**3.** (ख)	**4.** (ग)
	5.(ख)	**6.** (ग)	**7.** (क)	**8.** (क
	9.(क)	**10.** (घ)	**11.** (घ)	**12.** (ख)
	13.(ख)	**14.** (क)	**15.** (ख)	**16.** (घ)
	17.(ख)	**18.** (क)	**19.** (घ)	

फ़ॉरमेटिव असेसमेंट के लिए

<u>क्रियाकलाप</u>

कक्षा में सामान्य बातचीत करते हुए अथवा प्रश्नोत्तर के दौरान अध्यापक-अध्यापिका उन वाक्यों या कथोपकथन में आए हुए पदों का परिचय पूछ सकते हैं। जैसे–

– कल शाम आप कहाँ गए थे?

– कल शाम मैं कहीं नहीं गया, घर पर कुछ मित्रों के साथ कैरम खेलता रहा।

इस प्रकार के वाक्यों में विभिन्न शब्दों यानी पदों (कल, शाम, आप, कुछ, मित्रों के साथ, कैरम, गए थे, खेलता रहा) का व्याकरणिक परिचय पूछ सकते हैं। प्रत्येक छात्र को बोलने का मौका दें। किसी छात्र द्वारा अशुद्ध उत्तर दिए जाने पर अन्य छात्र को बोलने का मौका दें तथा आवश्यकतानुसार संशोधन करें।

<u>कक्षा-कार्य</u>

पद-परिचय का पुनरभ्यास कराने हेतु अध्यापक/अध्यापिका छात्र-छात्राओं से पद सम्बन्धी कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं। जैसे–

- पद किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।
- शब्द किसे कहते हैं? शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
- कोई शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर बताइए।

गृह-कार्य

कक्षा में पढ़ी हुई कोई कहानी या पत्र-पत्रिकाओं में छपी किसी कहानी को पढ़कर छात्र-छात्राएँ उसमें से कुछ वाक्य अपनी कॉपी में लिखकर उनमें प्रयुक्त विभिन्न पदों का व्याकरणिक परिचय दें।

© GOYAL BROTHERS PRAKASHAN